Dr. Avinash Kumar

DLH - chapter - 9, Nature of Pressure Groups and their role
DLS - chapter - 9, Pressure Groups

· राजनीतिक दलों तथा दबावकारी समूहों में अन्तर (Difference between Political Parties and Pressure Groups)

(i) आकार की दृष्टि से अन्तर – दल बहुत बड़ी इकाई है जिसकी सदस्य संख्या हजारों, लाखों या करोड़ों में हो सकती है, परन्तु समूह तुलनात्मक दृष्टि से बहुत छोटा निकाय है जिसकी सदस्य संख्या सैकड़ों अथवा हजारों में होती है। यह हो सकता है कि कोई राजनीतिक दल छोटा सा संगठन हो जिसके सदस्य कुछ सौ अथवा हजार हो।

(ii) सदस्यता की दृष्टि से अन्तर – एक व्यक्ति एक ही समय पर अपने विविध हितों के आधार पर अनेक दबाव समूहों की सदस्यता प्राप्त कर सकता है। इसके विपरीत कोई व्यक्ति एक समय पर एक ही दल का सदस्य हो सकता है।

(iii) शासन सत्ता के प्रसंग में अंतर – राजनीतिक दल स्वयं अपने लिए सत्ता प्राप्त करना चाहता है, लेकिन दबाव समूह औपचारिक रूप में शासन से बाहर रहकर शासन को प्रभावित करने की चेष्टा में लगे रहते हैं।

(iv) राजनीतिक दल विधानमण्डल के भीतर और बाहर दोनों स्थान पर कार्य करते है, जबकि दबाव समूह केवल विधानमण्डल के बाहर ही कार्य करता है।

(v) दबाव समूह का वर्णन हितों को मुखरित करने वाले अभिकरण के रूप में किया जाता है। परंतु दल अनेक हितों को संघ या गठबंधन होता है। अतः दल को हितों के योग या समूहन का उपकरण माना जाता है।

(vi) विचारधारा और कार्यक्रम की दृष्टि से दबाव समूह राजनीतिक दल की तुलना में अधिक संयुक्त और सजातीय समूह होते हैं।

Avinash

(vii) राजनीतिक दलों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केवल संवैधानिक साधनों को ही अपनायेंगे, लेकिन दबाव समूह के द्वारा आवश्यकतानुसार संवैधानिक और असंवैधानिक सभी प्रकार के साधन अपनाये जा सकते हैं।

राजनीतिक दल तथा दबाव समूह में सम्बन्ध -

संवैधानिक स्तर पर राजनीतिक दल और दबाव समूह में भले ही भेद किया जाता है परन्तु राजनीतिक स्तर पर ये परस्पर पूरक संगठन है। राजनीतिक दल अपने लिए अधिकाधिक लोकप्रियता प्राप्त करने के उद्देश्य से श्रमिक, युवक, नारी और दलित, आदि सभी वर्गीय संगठनों में खिंच लेते है और परोक्ष ही सही लेकिन इन वर्गीय संगठनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वहीं वर्गीय संगठन भी जानते हैं कि उनके उद्देश्य की पूर्ति में राजनीतिक दल बहुत अधिक सहायक सिद्ध हो सकते हैं। हालांकि, व्यवहार में एक विशेष दबाव समूह कभी तो अनिवार्य रूप से किसी एक राजनीतिक दल के साथ बँध जाता है और कभी उसके द्वारा राजनीतिक दलों के प्रति अस्थिर तथा बदलती हुई वफादारियों की नीति अपनायी जाती है अर्थात अपने हितों के आधार पर एक विशेष मुद्दे तथा समय पर एक राजनीतिक दल और अन्य मुद्दे तथा समय पर दूसरे राजनीतिक दल को समर्थन देने की नीति। पुनः दबाव समूह और राजनीतिक दल के आपसी सम्बन्ध का एक पक्ष यह है कि कभी तो दबाव समूह राजनीतिक दल को जन्म देते हैं और अनेक बार राजनीतिक दल दबाव समूह के गठन में पहल करते हैं।

Email- awibasingh@gmail.com Avinash

Scanned with CamScanner